संगठन

भारतीय फिल्म संस्थान की स्थापना सन 1960 में सूचना और प्रसारण मंत्रालय की अधीनता में भारत सरकार व्दारा की गई थी । सन् 1974 में टीवी स्कन्ध जोड़ने के पश्चात संस्थान का पुनः नामांकन कर के भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान रखा गया । अक्तूबर, 1974 में सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के अंतर्गत पंजीकरण करने के पश्चात संस्थान एक सोसायटी बन गया । भाफिटेस सोसायटी में फिल्म, टेलीविजन, संचार, संस्कृति से संबंधित प्रतिष्ठित व्यक्तियों, संस्थान के पूर्व छात्रों तथा पदेन सरकारी सदस्यों को सम्मिलित किया गया । संस्थान पर शासी परिषद का नियंत्रण है, जिसका प्रमुख अध्यक्ष (चेअरमन) होता है, जिसके वर्तमान अध्यक्ष सुप्रसिद्ध पटकथा लेखक और निर्देशक श्री सईद मिर्झा है । संस्थान की शैक्षिक नीतियाँ, शैक्षिक परिषद व्दारा निर्मित की जाती है । वित्त सम्बन्धी मामलों पर स्थायी वित्त समिति व्दारा नियंत्रण रखा जाता है ।

संस्थान के दो स्कन्ध हैं –फिल्म और टेलीविजन स्कन्ध तथा फिल्म और टेलीविजन दोनों में पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं । तीन वर्षीय पदविका पाठ्यक्रमों में निर्देशन, चलचित्रांकन, ध्वनि मुद्रण और ध्वनि संरचना तथा सम्पादन में स्नातकोत्तर पदविका मूलक पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं । संस्थान द्वारा अभिनय में द्वि वर्षीय स्नातकोत्तर पदविका पाठ्यक्रम तथा कला निर्देशन और निर्माण संरचना में द्वि वर्षीय स्नातकोत्तर पदविका पाठ्यक्रम, फीचर फिल्म पटकथा लेखन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम और एनिमेशन तथा कम्प्यूटर ग्राफिक्स में डेढ़ वर्षीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम भी चलाए जाते हैं । टेलीविजन पाठ्यक्रमों में टेलीविजन विशेषज्ञता के साथ निर्देशन, इलेक्ट्रॉनिक सिनेमाटोग्राफी, विडियो सम्पादन, ध्वनि मुद्रण और टीवी अभियांत्रिकी में एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं ।

शीघ्रता से बढ़ती हुई टेलीविजन उद्योग की प्रगति को ध्यान में रखते हुए टेलीविजन इनपुट सहित फिल्म के मुख्य पदविका पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्या को अद्यतन किया गया है । इससे संस्थान

के छात्र फिल्म और टेलीविजन क्षेत्र के लिए आवश्यक संकल्पानात्मक और तकनीकी कौशल प्राप्त करते हैं ।

भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान फिल्म निर्माण और टेलीविजन निर्माण की कला तकनीक में उच्चतम और व्यावसायिक प्रशिक्षण तथा तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करता है । सन् 1974 से दूरदर्शन के सभी श्रेणी के अधिकारियों को सेवाकालीन प्रशिक्षण भी उपलब्ध करवाता है । दूरदर्शन कर्मियो, भा.सू. सेवा के परीविक्षाधीन अधिकारियों आदि के लिए विशेषज्ञता के क्षेत्रों में लघु पाठ्यक्रम भी संचालित किये जाते हैं । भाफिटेसं, राफिसं के सहयोग से प्रतिवर्ष गहन फिल्म सराहना पाठ्यक्रम का भी आयोजन करता है ।

* * * * *

वर्ष की प्रमुख घटनाएँ

1. **पहला राष्ट्रीय छात्र फिल्म पुरस्कार (एनएसएफए) तथा भारत का छात्र फिल्म पुरस्कार ,2013**

भारत में आयोजित इस प्रकार के सर्वप्रथम कार्यक्रम में कथा, गैर–कथा और एनिमेशन की श्रेणियों में प्रतियोगिता के लिए 43 फिल्म मीडिया संस्थानों ने 130 प्रविष्टियाँ भेजी । सुप्रसिद्ध फिल्मनिर्माता और निर्माण संरचनाकार मलय भट्टाचार्य की अध्यक्षता में एक चयन समिति ने समारोह में दिखाने के लिए 22 संस्थानों की 60 फिल्मों को स्वीकार किया । सुप्रसिद्ध निर्देशक कुंदन शाह की अध्यक्षता में पुरस्कार ज्यूरी ने वैयक्तिक फिल्मों को प्रदान किए जानेवाले पुरस्कारों को निश्चित किया । समारोह की प्रमुख घटनाएँ :–

1. विख्यात निर्देशक तथा सिनेमॅटोग्राफर शाजी एन करूण के द्वारा समारोह का उद्घाटन किया गया ।
2. पुरस्कार वितरण समारोह की मुख्य अतिथि शबाना आजमी थीं ।
3. सुप्रसिद्ध हस्तियों जैसे कुमार शाहनी, हार्टमुट बिटोम्स्की, सिमॉन हेस ने योग्य विजेताओं को पुरस्कार और ट्रॉफी प्रदान की ।
4. भाफिटेसं ने कथा में सर्वोत्तम निर्देशन (कातळ, निर्दे. विक्रांत पवार), गैर–कथा में विशेष ज्यूरी पुरस्कार (मॅन फ्रॉम मालदीव, निर्दे. रूचिर अरूण) गैर–कथा में सर्वोत्तम चलचित्रांकन(द डाँकी फेयर, निर्दे. राकेश शुक्ल) सहित 7 पुरस्कार जीतें ।
5. समारोह के लिए राष्ट्रीय फिल्म और टेलीविजन (एनएफटीएस यू. के.) से निक पॉवेल और कुछ प्रतिष्ठित विदेशी फिल्म स्कूलों से छात्रों और संकाय सदस्यों सहित विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय अतिथियों को आमंत्रित किया गया था ।
6. राष्ट्रीय छात्र फिल्म पुरस्कार समारोह के दौरान विभिन्न खुले मंच पर चर्चाएं की गयी थी जिस में फिल्म स्कूलों के संकाय सदस्यों,कार्य कर रहें फिल्म निर्माताओं, फिल्म प्रशासकों और फिल्म विशेषज्ञों ने भाग लिया । विषय थे :–
   क) फिल्म स्कूल के बाद छात्रों का भविष्य
   ख) आज की लघु फिल्में
   ग) बदलते संदर्भ में फिल्म स्कूलों की भूमिका
   घ) फिल्म के शैक्षणिक में अनुसंधान
7. समारोह में फिल्मों के प्रतियोगिता अनुभाग फिल्मों के अतिरिक्त, 3 और गैर–प्रतियोगिता अनुभाग थे :–

क) भाफिटेसं संग्रह से 20 फिल्में
ख) विश्वभर के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म स्कूलों से 24 फिल्में
ग) मराठी में प्रादेशिक लघु फिल्म संस्कृति का प्रतिनिधित्व करनेवाली 10 फिल्में

2. राष्ट्रीय छात्र फिल्म पुरस्कार के दौरान आयोजित मास्टर क्लासेस तथा अन्य कार्यक्रम :–

1. राष्ट्रीय फिल्म और टेलीविजन स्कूल यू.के. के निदेशक निक पॉवेल, ने राष्ट्रीय छात्र फिल्म पुरस्कार के दौरान ' 30 लेसन्स ऑफ ए वेस्टर्न इन्डेपेन्डेट प्रोडयूसर' नामक शीर्षक से मास्टरक्लासेस ली ।
2. डॉक्यूमेंट्री और फिल्म अकादमी के क्षेत्र के जाने–माने सुप्रसिद्ध हर्टमुट बितोम्स्की ने राष्ट्रीय छात्र फिल्म पुरस्कार के दौरान 'डॉक्यूमेंट्री का भविष्य' विषय पर मास्टरक्लासेस ली । उस के बाद वे भाफिटेसं संस्थान के निर्देशन छात्रों के लिए एक विशेष कार्यशाला के लिए यहाँ रहें । उन के निवास के दौरान उन की फिल्मों का पश्चावलोकन, विडियो निबंध और और विडियो इन्स्टॉलेशन का भाफिटेसं में स्क्रीनिंग किया गया ।
3. सिमॉन हेस–ऑस्कर पुरस्कार विजेता, निर्माण ध्वनि मिश्रक ने राष्ट्रीय छात्र फिल्म पुरस्कार समारोह के दौरान मास्टरक्लासेस लिये तथा समारोह के पश्चात ध्वनि के छात्रों के लिए विशेष कार्यशाला का संचालन किया ।
4. के. हरिहरन,एल.वी.प्रसाद और टीवी अकादमी के निदेशक ने राष्ट्रीय छात्र फिल्म पुरस्कार समारोह के दौरान लघु फिल्मों की पटकथालेखन पर मास्टर क्लास ली ।
5. सुविख्यात निर्देशक विधु विनोद चोप्रा ने हॉलीवुड में हाल में ही किये गये फिल्म के निर्देशन के अनुभव का विशेष उल्लेख करते हुए छात्रों और दर्शकों के साथ वैचारिक आदान–प्रदान किया ।
6. वी.एस. कुंडु , महानिदेशक फिल्म प्रभाग ने, फिल्म प्रभाग की नयी पहल के बारे में छात्रों के साथ वैचारिक अदान–प्रदान किया ।

3. रितुपर्ण घोष को श्रध्दांजली

भाफिटेसं ने बंगाली फिल्म निर्माता रितुपर्णो घोष की आकस्मिक मृत्यु पर, एक निर्देशक के रूप में उनके द्वारा इस क्षेत्र में जटिल विषयों पर नये–नये प्रयोग करते समय जो जोखिम उठायी, उस पर प्रकाश डालते हुए उनकी फिल्म 'शुभो मुहर्त' के संक्षिप्त परिचय के साथ उन्हें श्रध्दांजली अर्पित की ।

4. **क्लेयर डेनिश की भाफिटेसं को भेंट**

क्लेयर डेनिश की भारत में सर्वप्रथम भेंट का आयोजन भाफिटेसं और भारत के फ्रेंच दूतावास ने संयुक्त रूप से किया था । कार्यशाला का संचालन और छात्रों के साथ वैचारिक आदान–प्रदान करने के लिए उन्होंने जुलाई,2013 के प्रथम और दूसरे सप्ताह में भाफिटेसं का दौरा किया । फ्रेंच के नये प्रवाह और यासुजिरो ओझु जैसे प्राचीन गुरू के सिनेमात्मक अनुभवों को आत्मसात करके 1980 से फ्रेंच सिनेमा के औपचारिक व्यवसाय के विकास को उन्होंने काफी हद तक अपना योगदान दिया है । वे फ्रेंच औपनिवेशकोत्तर अनुभवों के लिए उनकी दुर्लभ संवेदनशीलता के साथ फ्रेंच सिनेमा के प्रति अपने 'संगीतात्मक ' रवैये के लिए जानी जाती है ।

5. **क्लेयर डेनिश की फिल्मों का पश्चावलोकन (रिट्रॉस्पेक्टिव)**

भाफिटेसं ने फ्रांस दूतावास के साथ क्लेयर डेनिश द्वारा बनाई गई फिल्मों का दो–सप्ताहों के पश्चावलोकन (रिट्रॉस्पेक्टिव) का आयोजन किया जिस में फ्रांस से डीवीडी तथा 35 एमएम फिल्में भेजी गयी थी । उन कार्यों को उचित प्रिंट प्रोजेक्टर पर देखना,यह भाफिटेसं समुदाय और पुणे के कुछ फिल्म उत्साहियों के लिए एक दुर्लभ अवसर था । भाफिटेसं के विभिन्न संकाय सदस्यों द्वारा इन फिल्मों की जानकारी दी गयी ।

6. **पुस्तक विमोचन समारोह**

कवि उदयन वाजपेयी और विख्यात फिल्म निर्माता मणि कौल के बीच हुए वार्तालाप पर आधारित हिन्दी पुस्तक (अभेद आकाश) को फिल्म छात्रों और फिल्म के लिए उत्साहियों द्वारा बहुत पसंद किया गया । लम्बे समय तक यह पुस्तक उपलब्ध नहीं हुई थी । हाल ही में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता गुरविंदर सिंह ने इस पुस्तक का ' अनक्लोवन स्पेस' नाम से अंग्रेजी में अनुवाद किया है । भाफिटेसं में प्रतिष्ठित हस्तियों के बीच इस पुस्तक का विमोचन समारोह सम्पन्न हुआ । जिस में उदयन वाजपेयी, दिलीप पाडगावकर और कुछ अन्य गणमान्य हस्तियों ने मणि कौल के साथ उन के लगाव एवं मणि कौल के सिनेमात्मक विचारों के महत्व के बारे में बात की ।

7. **मणि कौल की फिल्मों का पश्चावलोकन (रिट्रॉस्पेक्टिव)**

भाफिटेसं द्वारा भारतीय सिनेमा के महान आचार्य मणि कौल को श्रध्दांजली के रूप में मणि कौल द्वारा बनायी गयी फिल्मों का दो सप्ताहों के पश्चावलोकन (रिट्रोस्पेक्टिव) का संचालन किया गया । यह फिल्में राफिसं से प्राप्त हुई थी और

ऐसे कार्यों के प्रिंट को देखना एक दुर्लभ अवसर है । भाफिटेसं के छात्रों के अतिरिक्त, अन्य कलात्मक क्षेत्रों के व्यक्ति भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहें । वीरेन्द्र सैनी और मिता वशिष्ठ सहित संकाय सदस्यों जिन्होंने मणि कौल के साथ काम किया और उनके पास विशेष अनुभव और यादें हैं, के द्वारा छात्रों को दी गयी जानकारियाँ और वैचारिक आदान–प्रदान ने कार्यक्रम को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया ।

8. भाफिटेसं के छात्रों द्वारा विशेष रंगमंच प्रस्तुतियाँ

क) भाफिटेसं के अभिनय विभाग के छात्रों ने लगातार दो शाम सुविख्यात दिल्ली उपन्यासकार विनोद कुमार शुक्ला के उपन्यास (दीवार में एक खिडकी रहती थी) पर आधारित एक नाटक का मंचन किया । मोहन महर्षि ने इस नाटक का निर्देशन किया ।

ख) भाफिटेसं के प्रथम वर्ष के छात्रों ने अँतोन चेखव की लघु कथाओं पर आधारित एक नाटक गुड डॉक्टर का दो बार मंचन किया । अनिरूध्द खुटवड ने इस नाटक का निर्देशन किया ।

9. भाफिटेसं में ऑपेरा की प्रस्तुति

स्पिक मॅके के सहयोग से भाफिटेसं ने नॉर्वे कलाकारों द्वारा ऑपेरा प्रस्तुति का आयोजन किया । इस ऑपेरा की प्रस्तुति करनेवाले कलाकारों में रिता हेगर (सोपरानो), अॅना इनरसन (मेझो – सोपरानो), निल्स हेरॉल्ड, सोदत (टेनर), और इलेन मारि करिसन (पियानो) थे । कलाकारों के द्वारा उन दर्शकों को प्रस्तुतियों की अर्थपूर्ण जानकारी प्रदान की गयी, जो ओपेरा प्रस्तुतियों के विषय में गहन जानकारी नहीं थी ।

10. अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाफिटेसं का प्रतिनिधित्व

अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय ने भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान, 'एनइआरसी' केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, दिल्ली तथा एशियाई अभ्यास का मौलाना अब्दुल कलाम आजाद संस्थान के साथ 'द कल्चर्स ऑफ मेमोरी : द मेमो–कल्चरल प्राक्सिस इन साऊथ ईस्ट ॲण्ड अदर एशियन कंट्रीज' इस विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में, श्री देब कमल गांगुली ने, भाफिटेसं के सिनेमा अभ्यास और अनुसंधान विभाग का प्रतिनिधित्व करते हुए शोध–पत्र पढा जिस का शीर्षक था –'नेमोनिक

इमॅजिनेशन, पॉसिबिलिटीज ऑफ मेमोरी – जर्मिनेशन इन द टाइम ऑफ मेमोसाइड' था । यह संगोष्ठी शिलाँग, मेघालय में आयोजित की गयी थी ।

दिनांक 26 मार्च से 2 अप्रैल,2014 तक फिल्म समारोह निदेशालय के द्वारा भाफिटेसं और राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय के सहयोग से भारत का अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह, 2013 में से चुनी गयी कुछ भारतीय पैनोरमा फिल्मों का समारोह आयोजित किया गया था । दिनांक 26 मार्च, 2014 को फीचर फिल्म मेघे ढाका तारा (निर्देशक – कमलेश्वर मुखर्जी) से समारोह का उद्घाटन हुआ । समारोह में सम्मिलित होते हुए फिल्मों के निर्देशकों श्री कमलेश्वर मुखर्जी, पी. शेषाद्री (भारत स्टोर्स), कमल स्वरूप (रंगभूमि) और सब्यसाची महापात्र (साला बुढ्ढा) ने अपनी फिल्मों की जानकारी दी ।

* * * *

फिल्म समारोहों में विशेष रूप से चुनी गयी फिल्में

1. फोकस अनुभाग के लिए भाफिटेसं संवाद फिल्म 'द्वंद' (निर्दे. अभिलाष विजयन) की स्क्रीनिंग की गयी थी और संगीत विडियो प्रतियोगिता अनुभाग के लिए प्लेबॅक अभ्यास सोजा राजकुमारी (निर्दे. संयुक्ता शर्मा) और 'द क्लाऊन द 22 फ्लोअर' (निर्दे. अंकिता शर्मा) की स्क्रीनिंग की गयी थी । 6 वाँ अन्तर्राष्ट्रीय डॉक्यूमेंट्री और लघु फिल्म समारोह, केरला में 'फिरदौस' (निर्दे. तुषार मोरे), 'ढोल गंवर' पशु और नारी (निर्दे. अभिनव गुप्ता) और प्रभात नगरी फिल्म 1 (निर्दे. अमन वाधवान)एनिमेशन फिल्म 'ब्लैक ओ व्हाइट' (निर्दे. श्री सिबिन अँटो. एम. और जितीनदास सी.एच.) की स्क्रीनिंग की गयी थी ।
2. क्राको अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में 'अल्लाह इज ग्रेट' (निर्दे. ॲड्रिआ लॅन्नेट्टा) को दिखायी गयी ।
3. स्टुटगार्ट, जर्मनी के भारतीय फिल्म समारोह में 'अल्लाह इज ग्रेट' (निर्दे. ॲड्रिआ लॅन्नेट्टा) की स्क्रीनिंग की गयी थी ।
4. एसएएआरसी (सार्क) फिल्म समारोह, कोलंबो में 'कातळ' (निर्दे. विक्रांत पवार) और 'आफ्टग्लो' (निर्दे. कौशल ओझा) की स्क्रीनिंग की गयी थी ।
5. दिनांक 22 से 28 नवम्बर,2013 तक रिवर फ्लोरेन्स भारतीय फिल्म समारोह, इटली में भाफिटेसं छात्र अनुभाग में भाफिटेसं संवाद फिल्म 'फिरदौस' (निर्दे. तुषार मोरे) और 'द फोटोग्राफर' (निर्दे. सार्थक बसिन) की स्क्रीनिंग की गयी थी ।
6. दिनांक 8 से 17 नवम्बर, 2013 तक आयोजित प्रतिष्ठित रोम फिल्म समारोह में भाफिटेसं पदविका फिल्म 'मकर' (निर्दे. प्रांतिक बासु) का प्रतियोगिता अनुभाग में स्क्रीनिंग की गयी थी ।
7. दिनांक 14 से 20 नवम्बर,2013 तक 18 वाँ अन्तर्राष्ट्रीय बाल फिल्म समारोह भारत में 'सोन्याचा आंबा' (गोल्डन मँगो) (निर्दे. गोविंद राजु) 'ग्रीन बाल्कनी आँटी' (निर्दे. फैज़ल रहमान) और 'चुंबक' (मैग्नेट)(निर्दे. गौरव शिंपी) की स्क्रीनिंग की गयी थी ।
8. 44 वें भारत के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में भारतीय पॅनोरामा विभाग के अंतर्गत, चुनी गयी 2 भाफिटेसं पदविका फिल्मों, मकर,द डाँकी फेयर के अतिरिक्त, विशेष छात्र पॅकेज के अंतर्गत भाफिटेसं की पाँच फिल्मों की विशेष स्क्रीनिंग की गयी थी ।
9. 33 वाँ मुनिच अंतर्राष्ट्रीय फिल्म स्कूल समारोह में, भाफिटेसं संवाद फिल्म 'द्वंद' (निर्दे. अभिलाष विजयन) का अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता अनुभाग में चयन किया गया ।

10. डॉक्यूमेंट्री और एनिमेटेड फिल्म के लिए डीओके लिपझिग 2013 56 वाँ एडिशन– अन्तर्राष्ट्रीय लिपझिग समारोह के 'अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम डॉक्यूमेंट्री फिल्म अनुभाग में भाफिटेसं डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'दॅट एलिफंट फ्रॉम द ब्रिज' (निर्दे. अभिलाष विजयन) का चयन किया गया ।

11. दिनांक 3–9 फरवरी (मिफ्) 2014 डॉक्यूमेंट्री, शॉर्ट और एनिमेशन फिल्म के लिए 13 वें मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में लघु कथा फिल्म श्रेणी (45 मिनट तक) में 'कातळ' (निर्दे. विक्रांत पवार) और 'आफ्टरग्लो'(निर्दे. कौशल ओझा) का अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता अनुभाग मेंऔर 'गोल्डन मँगो' (निर्दे. गोविंद राजू) और 'तत्पश्चात्' (वासुदेव केलुसकर) की राष्ट्रीय प्रतियोगिता अनुभाग में स्क्रीनिंग की गयी थी ।

12. क्लॅपस्टिक अन्तर्राष्ट्रीय छात्र फिल्म समारोह, 2014 में 'विराग' (निर्दे. अर्चना मेनन) और 'अल्लाह इज ग्रेट' (निर्दे. ॲड्रिआ लॅन्नेट्टा) की स्क्रिनिंग की गयी थी ।

13. दिनांक 27 फरवरी से 2 मार्च, 2014 तक सरेफिसं में आयोजित राष्ट्रीय छात्र फिल्म पुरस्कार में फाइनल प्रतियोगिता के लिए निम्नलिखित फिल्मों की स्क्रिनिंग की गयी :–

    1. ब्लैक ओ व्हाइट
    2. इन बिटवीन
    3. मकर
    4. मँड्रेक ! मँड्रेक !
    5. रिटर्न टू इनोसेंस
    6. सहारा राइडर
    7. थिंग्स मिसिंग

14. 13 वाँ एडिशन ऑफ इमॅजिन इंडिया अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह का आयोजन मॅड्रिड और बर्सिलोना, स्पेन में 'ढोल गंवर' पशु और नारी (निर्दे. अभिनव गुप्ता)और मुखबीर (निर्दे. मनोज कुमार) की स्क्रीनिंग की गयी थी ।

15. बहुभाषी लघु फिल्म समारोह, अबरा का डबरा के ''मानद उल्लेख'' में 'रिजवान' की स्क्रीनिंग की गयी थी ।

* * * *

पुरस्कार

1. पहला राष्ट्रीय छात्र फिल्म पुरस्कार (एनएसएफए) तथा भारत का छात्र फिल्म समारोह (एसएफएफआय),2013 में भाफिटेसं ने कथा में सर्वोत्तम निर्देशन (कातळ, निर्दे. विक्रांत पवार), गैर–कथा में विशेष ज्यूरी पुरस्कार (मॅन फ्रॉम मालदीव, निर्दे. रूचिर अरूण) गैर–कथा में सर्वोत्तम चलचित्रांकन (द डाँकी फेयर, निर्दे. राकेश शुक्ल) सहित 7 पुरस्कार जीतें ।

2. दुबई अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह (लघु अनुभाग) में 'अल्लाह इज ग्रेट' (निर्दे. अँड्रिआ लॅन्नेट्टा) ने पुरस्कार राशि एइडी–25000 के साथ सर्वोत्तम फिल्म का दूसरा पुरस्कार जीता । इस फिल्म ने कोडॅक भारतीय फिल्म स्कूल प्रतियोगिता 2013 में सर्वोत्तम चलचित्रांकन का पुरस्कार जीता ।

3. 6 वाँ अन्तर्राष्ट्रीय डॉक्यूमेंट्री और लघु फिल्म समारोह केरला में संध्या दीयसी सुंदरम द्वारा एक संगीत विडियो 'द ड्राँईग साँग' ने सर्वोत्तम संगीत विडियो तथा जितीनदास सी.एच. और सिबिन अँटो एम.द्वारा निर्देशित 'ब्लैक ओ व्हाइट' ने सर्वोत्तम एनिमेशन फिल्म का पुरस्कार जीता ।

4. 'कौन कमलेश्वर' (निर्दे. अनुराग गोस्वामी) ने लंदन भारतीय फिल्म समारोह, 2013 के सहयोग से आयोजित सत्यजित रे फाऊंडेशन का लघु फिल्म पुरस्कार जीता ।
5. फिजी का अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह, 2013 में कातळ, (निर्दे. विक्रांत पवार) ने 'सर्वोत्तम छात्र फिल्म पुरस्कार' जीता ।
6. लद्दाख अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह, 2013 मे 'द्वंद' (निर्दे. अभिलाष विजयन) ने 'सर्वोत्तम लघु फिल्म' का पुरस्कार जीता ।

7. 13 वाँ अन्तर्राष्ट्रीय छात्र फिल्म समारोह पिसेक,2013 चेक रिपब्लिक में भाफिटेसं संवाद फिल्म 'द्वंद' (निर्दे. अभिलाष विजयन) ने सर्वोत्तम चलचित्रांकन का पुरस्कार प्राप्त किया ।

8. कोडॅक भारतीय फिल्म स्कूल प्रतियोगिता,2013 में फिरदौस (निर्दे. तुषार मोरे) ने सर्वोत्तम चलचित्रांकन का पुरस्कार जीता ।
9. दिनांक 27 फरवरी से 2 मार्च तक सरेफिसं, कोलकाता में आयोजित दूसरा राष्ट्रीय छात्र फिल्म पुरस्कार समारोह' 'ब्लैक ओ व्हाइट' के लिए (निर्दे. जितीनदास सी.एच. और सिबिन अँटो) सर्वोत्तम निर्देशक के लिए एनिमेशन पुरस्कार थिंग्स मिसिंग (टीवी पाठ्यक्रम फिल्म, निर्दे. समर अली वारसी)के लिए करन सिंह को गैर कथा में सर्वोत्तम संपादन (संयुक्त), मकर (निर्दे. प्रांतिक नारायण बासु) के लिए सुस्मित बोब नाथ को (10 से 30 मिनट)

कथा में सर्वोत्तम ध्वनि डिजाइन और मँड्रेक ! मँड्रेक (निर्दे. रूचिर अरूण) को (10 से 30 मिनट) कथा में विशेष उल्लेख पुरस्कार प्राप्त हुआ ।

10. दिनांक 3 से 9 फरवरी(मिफ्),2014 तक आयोजित डॉक्यूमेंट्री, शॉर्ट और एनिमेशन फिल्म के लिए 13 वें मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में 'ब्लैक रॉक' (निर्दे. व्रिकांत जनार्धन पवार) को सर्वोत्तम लघु कथा का पुरस्कार देने की घोषणा किया । इस फिल्म को गोल्डन कोंच ट्राफी और नकद पुरस्कार रू. 500,000/–(निदेशक को रू. 300,000/– तथा निर्माता भाफिटेसं को रू. 200,000/–) प्राप्त हुआ । इस समारोह के दौरान गोविंद राजू द्वारा निर्देशित और भाफिटेसं द्वारा निर्देशित फिल्म 'सोन्याचा आंबा' (गोल्डन मँगो) को सर्वोत्तम छात्र फिल्म के लिए आईडीपीए पुरस्कार दिया गया ।

11. 'कातळ' (मराठी) फिल्म ने सर्वोत्तम लघु कथा पुरस्कार के साथ, फिल्म के निर्देशक विक्रांत पवार और निर्माता (भाफिटेसं) प्रत्येक को रजत कमल और नकद राशि रू. 50,000/– का पुरस्कार जीता । विक्रांत पवार को उनकी फिल्म 'कातळ' के लिए सर्वोत्तम निर्देशन के लिए स्वर्ण कमल के साथ नकद रू. 1,50,000/– से सम्मानित किया गया । कैमरामॅन अभिमन्यु डांगे को 'कातळ' (मराठी) के लिए सर्वोत्तम चलचित्रांकन का पुरस्कार प्राप्त हुआ । परंपरा के अनुसार रिलायंस मीडिया वर्क्स को फिल्म की प्रक्रिया के लिए पुरस्कृत किया गया । कैमरामॅन और प्रयोगशाला इन दोनों पुरस्कार विजेताओं प्रत्येक को रजत कमल और नकद राशि रू. 50,000/– के साथ सम्मानित किया गया । (नकद राशि फिल्मों में बाँटी गयी ।) अन्य विशेष उपलब्धि यह है कि परिवारिक मूल्यों पर आधारित सर्वोत्तम फिल्म के लिए पदविका फिल्म 'आफ्टरग्लो' के निर्देशक कौशल ओझा और निर्माता (भाफिटेसं), प्रत्येक को रजत कमल और नकद रू. 50,000/– प्रदान किया गया । 60 वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 2012 में 'अल्लाह इज ग्रेट' (अंग्रेजी, हिन्दी तथा दानिश)के निर्देशक ऑड्रिआ लॅन्नेट्टा ने विशेष उल्लेख पुरस्कार जीता ।

* * * * * *

प्रवेश :–

शैक्षिक वर्ष 2014 के प्रवेश के लिए विज्ञापन के परिणामस्वरूप दिनांक 31.03.2014 तक 61 आवेदन प्राप्त हुए । 62 राजदूतावासों और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषदों को भी विवरणिकाएं भेजी गयी । दिनांक 31.03.2014 तक रोल पर छात्र निम्नानुसार है :–

फिल्म और टेलीविजन में तीन वर्षीय स्नातकोत्तर पदविका पाठ्यक्रम

वर्ष	प्रवेश वर्ष	पाठ्यक्रम के अनुसार छात्रों की संख्या				छात्रों की कुल संख्या	अनु.जाति/अनु.जनजाति/ अन्य पिछडा वर्ग			विदेश	
		निर्देशन	छायां.	सम्पा.	ध्वनि मुद्रण		अनु. जाति	अनु. जनजाति	अन्य पिछड़े वर्ग	पाठ्यक्रम	देश
प्रथम वर्ष	2013	12	12	12	12	48	08	04	12	0	0
द्वितीय वर्ष	2012	12	12	12	12	48	10	04	15	0	0
तृतीय वर्ष	2011	16	15	14	14	59	08	04	15	2– नि. (आयसी सीआर) 1– चल.	पोलंड बांगलादेश श्रीलंका
तृतीय वर्ष	2009	13 –(1)	12	13	10	48 –(1)	08	03	08	1– नि. 1– सम्पा	एनआरआय (छोडा) अजरबैजान
तृतीय वर्ष	2008	13	14	13	10	50	05	04	04	1 – चल.	स्विटजरलैंण्ड

अभिनय में द्वि वर्षीय स्नातकोत्तर पदविका पाठ्यक्रम

वर्ष	प्रवेश का वर्ष	पाठ्यक्रम के अनुसार छात्रों की संख्या	कुल	अनु. जाति	अनु. जनजाति	अ.पि.व.	विदेश	
		अभिनय					पाठ्यक्रम	देश
प्रथम वर्ष	2013	12	12	2	1	3	0	0
द्वितीय वर्ष	2012	12	12	2	1	3	0	0

कला निर्देशन और निर्माण संरचना में द्वि वर्षीय स्नातकोत्तर पदविका पाठ्यक्रम

वर्ष	प्रवेश का वर्ष	छात्रों की संख्या	कुल	अनु.जाति/अनु.जनजाति/ अन्य पिछडा वर्ग			विदेश	
				अनु. जाति	अनु.ज.जा.	अ.पि.व.	पाठ्यक्रम	देश
प्रथम वर्ष	2013	11	11	2	0	3	0	0
द्वितीय वर्ष	2012	10	10	1	0	5	0	0

टेलीविजन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

वर्ष	प्रवेश वर्ष	पाठ्यक्रम के अनुसार छात्र				छात्रों की कुल संख्या	अनु.जाति/अनु.जनजाति/ अन्य पिछडा वर्ग			विदेश	
		निर्देशन	छायां.	सम्पा.	ध्वनि मुद्रण		अनु. जाति	अनु. जनजाति	अन्य पिछड़े वर्ग	पाठ्यक्रम 0	देश 0
प्रथम वर्ष	2013	12	12	12	11	47	08	03	12	0	0

फीचर फिल्म पटकथा लेखन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

वर्ष	प्रवेश का वर्ष	छात्रों की संख्या	कुल	अनु.जाति/अनु.जनजाति/ अन्य पिछडा वर्ग			विदेशी छात्र	
				अनु. जाति	अनु.ज.जा.	अ.पि.व.	पाठ्यक्रम	देश
प्रथम वर्ष	2013	11	11	0	2	1	0	0

एनिमेशन तथा कम्प्यूटर ग्राफिक्स में डेढ़ वर्षीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

वर्ष 2013 तथा 2014 के लिए कोई प्रवेश नहीं हैं ।

मार्च,2014 तक

पाठ्यक्रम के अनुसार रोल पर कुल छात्रों की संख्या

बैच	तीन वर्षीय पदविका	अभिनय	कला निर्देशन	एनिमेशन	टीवी के प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	प.क.ले.	कुल
2008	50	--	--	--	--	--	50
2009	47	--	--	--	--	--	47
2011	59	21	08	11	--	--	99
2012	48	12	10	--	48	11	129
2013	48	12	11	--	47	11	129
	252	45	29	11	95	22	454

छात्र फिल्में

अपने शैक्षिक कार्यक्रमों के एक भाग के रुप में छात्र विविध प्रकार की फिल्में बनाते हैं । वर्ष 2013-2014 के दौरान फिल्म स्कन्ध के छात्रों ने निम्नलिखित फिल्म प्रोजेक्ट पूर्ण किए :

1. डिप्लोमा फिल्म : 14
2. कन्टीन्यूटी : 58
3. डायलॉग फिल्म : 14
4. प्ले बॅक शूटिंग : 25
5. अभिनय पदविका : 04
6. डी.वी. कैमरा शूटिंग : 46

फिल्म समारोहों में सहभाग

संस्थान नियमित रूप से विभिन्न राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में सहभागी होता है । दिनांक 01.04.2013 से दिनांक 31.03.2014 तक की अवधि के दौरान संस्थान ने निम्नलिखित 48 फिल्म समारोहों में भाग लिया और छात्रों की पदविका फिल्मों की स्क्रीनिंग हुई :-

क्र.सं	**फिल्म समारोहों के नाम**
1.	8 वाँ सिलेक्ट पुरस्कार 2013

2.	पहला राष्ट्रीय छात्र फिल्म पुरस्कार और भारतीय छात्र फिल्म समारोह
3.	30 वाँ बुसान अंतर्राष्ट्रीय लघु फिल्म समारोह, बुसान, दक्षिण कोरिया
4.	59 वाँ अंतर्राष्ट्रीय लघु फिल्म समारोह ओबेरौसेन, जर्मनी
5.	7 वाँ भारत का अंतर्राष्ट्रीय लघु फिल्म समारोह 2013, चेन्नई
6.	छठा अंतर्राष्ट्रीय लघु तथा डॉक्युमेंट्री फिल्म समारोह, केरला
7.	लंदन में भारतीय फिल्म समारोह में सत्यजित रे फाऊंडेशन
8.	2 रा अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह, फीजी
9.	कोडॅक भारत फिल्म स्कूल प्रतियोगिता 2013
10.	70 वाँ वेनिस अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह, वेनिस, इटली
11.	9 वाँ एडिशन फिल्म साऊथएशिया, नेपाल
12.	''अपव्ययी भारत ! '' (एक्स्ट्रावॅगन्ट इंडिया) अंतर्राष्ट्रीय भारतीय फिल्म समारोह – पॅरिस
13.	18 वाँ अंतर्राष्ट्रीय बाल फिल्म समारोह भारत, द गोल्डन एफिफंट, मुंबई
14.	11 वाँ कल्पनिर्झर अंतर्राष्ट्रीय लघु कथा फिल्म समारोह, कोलकाता, जो 1 से 5 नवंबर,2013 तक की अवधि में संपन्न हुआ ।
15.	29 वाँ अंतर्राष्ट्रीय लघु फिल्म समारोह, बर्लिन, जर्मनी
16.	33 वाँ फिल्म स्कूलों का म्युनिच अंतर्राष्ट्रीय समारोह, जर्मनी
17.	21 वाँ प्लस कॅमरइमेज एडिशन फिल्म समारोह, पोलंड
18.	16 वाँ क्योटो अंतर्राष्ट्रीय छात्र फिल्म तथा विडियो समारोह, क्योटो
19.	44 वाँ भारत का अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह, गोवा – का इंडियन पॅनोरामा विभाग
20.	2 रा कोल्हापूर अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह, कोल्हापूर
21.	13 वाँ रिवर टू रिवर,फ्लोरेन्स , भारतीय फिल्म समारोह, इटली
22.	12 वाँ थर्ड आय एशियन फिल्म समारोह, मुंबई
23.	डी.वाय.पाटील– विसलिंग वूडस अंतर्राष्ट्रीय फिल्म तथा मीडिया स्कूल पुणे – छात्र फिल्म प्रतियोगिता
24.	छठा जयपूर अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह (जेआयएफएफ)
25.	डॉक्युमेंट्री, शॉर्ट और एनिमेशन फिल्म का 13 वाँ मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह
26.	64 वाँ बर्लिन अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह
27.	2 रा राष्ट्रीय छात्र फिल्म पुरस्कार,2014 सरेफिटेसं, कोलकाता
28.	4 था क्लॅपस्टिक अंतर्राष्ट्रीय छात्र फिल्म समारोह, सरेफिटेसं, कोलकाता
29.	8 वाँ भारत का अंतर्राष्ट्रीय लघु फिल्म समारोह 2014, चेन्नई
30.	10 वाँ आयएउब्ल्यूआरटी एशिया महिला फिल्म समारोह, नई दिल्ली
31.	**61 वाँ राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, 2013**

फिल्म सराहना पाठ्यक्रम

राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय के सहयोग से दिनांक 2 जून,2014 से 28 जून 2014 तक 39वाँ फिल्म सराहना पाठ्यक्रम संचालित किया गया । इसमें देशभर के पत्रकारों, फिल्म निर्माताओं, कलाकारों, क्रियाशील व्यक्तियों, अध्यापकों और मीडिया से जुड़े व्यक्तियों सहित प्रतिभागी सम्मिलित हुए दिनांक 20.12.2013 से 31.12.2013 तक राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली के छात्रों के लिए फिल्म सराहना पाठ्यक्रम संचालित किया गया था ।

टेलीविजन स्कंध – अल्पावधि पाठ्यक्रम

वर्ष 2013–14 के दौरान निम्नलिखित प्रशिक्षण गतिविधियाँ/अल्पावधि पाठ्यक्रमों का संचालन किया गया ।

क्रसं	पाठ्यक्रम का नाम	प्रतिभागियों की संख्या	अवधि	
			तक	से
1.	मल्टिमीडिया टीवी स्टूडिया प्रचालन तथा निर्माण	12	25.04.2013	15.05.2013
2.	मूलभूत विडियोग्राफी	10	13.05.2013	25.05.2013
3.	नॉन–लिनियर संपादन के मूल तत्व	11	27.05.2013	17.06.2013
4.	अभिनय के मूल तत्व	19	27.05.2013	07.06.2013
5.	मीडिया निर्माण के लिए मूलभूत ध्वनि संरचना	10	03.06.2013	15.06.2013
6.	अनुसंधान तथा कथालेखन कार्यशाला	05	03.06.2013	07.06.2013
7.	मूलभूत विडियोग्राफी	11	14.10.2013	26.10.2013
8.	नॉन–लिनियर संपादन के मूल तत्व	07	11.11.2013	22.11.2013
9.	मीडिया निर्माण के लिए मूलभूत ध्वनि संरचना	05	11.11.2013	23.11.2013
10.	मल्टिमीडिया टीवी स्टूडियो प्रचालन तथा निर्माण	13	02.12.2013	21.12.2013
11.	मल्टिकैमरा टीवी स्टूडियो प्रचालन और निर्माण के अभिविन्यास पर कार्यशाला	19	10.03.2014	14.03.2014
12	मल्टिकैमरा टीवी स्टूडियो प्रचालन निर्माण के अभिविन्यास पर कार्यशाला	17	18.03.2014	21.03.2014

छात्र विनिमय कार्यक्रम

फिल्म संपादन के एक छात्र को दिनांक 25 जनवरी,2014 से 5 मार्च, 2014 तक छात्र विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत एचएफएफ (यूनिवर्सिटी ऑफ फिल्म अँड टेलीविजन),पोस्टडॅम भेजा गया था ।

अतिथि व्याख्याता/कार्यशाला/सेमिनार/मास्टर क्लासेस

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान,भाफिटेसं में अतिथि व्याख्याताओं ने, फिल्म और टेलीविजन के विभिन्न विषयों जैसे कि, निर्देशन,संपादन,ध्वनि,चलचित्रांकन, पटकथा लेखन,कला निर्देशन,,कम्प्यूटर ग्राफिक्स और एनिमेशन, संगीत, भारतीय सौंदर्य और फिल्म निर्माण सेट और फिल्मों के लिए बजट बनाना, कृष्ण धवल/इमल्शन टेस्ट की तकनीकियाँ , मीडिया, समाज और लोकप्रिय संस्कृति, संचार, नाटक और कला स्वरूपों का थियेटर में योगदान, मुख्य सामाजिक विषय पर कार्यशालाएं/सेमिनारों/मास्टरक्लासेस का संचालन किया गया ।

अध्ययन दौरें

चलचित्रांकन विशेषज्ञता पाठ्यक्रम के छात्रों ने कलर एनालिसिस, टेलीसिने, तथा डिजिटल इंटरमिजिएट प्रोसेस सहित नयी तकनीकियों की जानकारी प्राप्त करने के लिए मुंबई की विभिन्न फिल्म और डिजिटल लॅबोरेटरी का अध्ययन दौरा किया । एनिमेशन के छात्रों ने भी विभिन्न स्टूडियो का दौरा किया ।

उपकरण

टी.वी. स्कंध के अभियांत्रिकी विभाग ने पिव्यू थिएटर के लिए 6 केवीए यूपीएस,एचडी विडियो प्रोजेक्टर पॅनासोनिक मेक मॉडल पीटीडी डब्ल्यू 870 इएस, डेल इन्सपायर्न 3537 इंटेल आय 7 लॅपटॉप,ॲपल मॅक बुकप्रो एमडी 101 लॅपटॉप आदि कुछ आवश्यक उपकरण प्राप्त किये ।

ध्वनि विभाग (फिल्म स्कंध) ने प्रशिक्षण अभ्यासों के लिए निम्नलिखित आवश्यक उपकरण प्राप्त किये :–

1.	लोकेशन साऊंड रेकॉर्डर, साऊंड डिवाइस	दो सेट
	ॲक्सेसरिज के साथ 788 टी (क्र.स. एचपीआय 913291000 तथा एचपी 1913291000	
	क) सीएल–8 (मिक्सिंग कन्सोल सरफेस) क्र.सं एचयू0513337005 तथा एचयू 0513337006	संख्या 2
	ख) सीएल – 1 की बोर्ड इंटरफेस	संख्या 2
	ग) सीएस–5 प्रॉडक्शन केस – क्र.सं. जे 10013316005 तथा जे10013316005	संख्या 2
	घ) एक्सएल – 32 स्पेअर बॅटरी	संख्या 4
	च) एक्सएल – एच (एचआर–10–7पी–4पी) कनेक्टर	संख्या 4
	छ) सीएल–9 फेडर कंट्रोलर – क्र.सं. जेजे0513311001 तथा जजे 0513311002	संख्या 2
	ज) एक्स एल – 2 एफ– केबल्स	4 जोडी
	झ) के एल – 4 कनेक्टर बॅग	3 बॅग
2.	पॅनासोनिक विडियो प्रोजेक्टर, पी.टी डीडब्ल्यू 740युके (पीटीडीडब्ल्यू 740इएस) विडियो प्रोजेक्टर,5 ब्राइटनेस : 7000 ल्यूमेन, कॉन्ट्रास्ट रेशो : 2500:1 डिस्प्ले टाइप : डीएलपी, अस्पेक्ट रेशो – 16:9,4:3– क्र.सं. एसएच3522039	
3.	स्टूडियो कॉम – 78/79 7.1 सराऊंड मॉनिटरिंग सिस्टम	संख्या 2
4.	के–टेक बूम पोल के – 102 (8’9’’)	संख्या 8
5.	टेलीस्कोपिक स्टूडियो मायक्रोफोन स्टँड (एमएस–200)	संख्या 6
6.	स्मॉल स्टूडियो मायक्रोफोन स्टँड(एमटीएस–024)	संख्या 4
7.	लार्ज स्टूडियो मायक्रोफोन स्टँड (एमएस–108इ)	संख्या 4
8.	स्टिरिओ हेडफोन डिस्ट्रीब्यूशन ॲम्प्लिफायर	संख्या 2
9.	संकेन कॉस– 11–डी मायक्रोफोन	संख्या 4
10.	10 वी,2.3 एएच एनआयसीएडी, एनडी–1 बॅटरी	संख्या 4
11.	मॉनिटर के साथ एवी रिसिवर	संख्या 1
12.	ब्ल्यू रे प्लेयर बीडीपी–370	संख्या 1
13.	साऊंड डिवाइस पोर्टेबल फील्ड मिक्सर	संख्या 4
14.	–होड एनटीजी – 2 मायक्रोफोन	संख्या 10

15.	एलइडी टीवी 32 ''सॅमसंग मॉडल (इएच–4003)	संख्या 6
16.	12 वी, 7एएच मेंटेनन्स फ्री बॅटरी	संख्या 6
17.	सॉलिड स्टेट लॉजिक अल्फा वीएचडी, एमआयसी प्रीअॅम्प्स	संख्या 1
18.	लेक्ट्रोसोनिक्स एलएमए ट्रांसमीटर	संख्या 4
19.	लेक्ट्रोसोनिक्स वीसीआर – 401 ए रिसिवर	संख्या 4
20.	अॅडम्स ए8 × स्टिरिओ मॉनिटर (जोडी)	संख्या 1
21.	ड्रम किट	संख्या 1
22.	रॉक रिसिवर (इएम 100 जी3)	संख्या 2
23.	स्टूडियो डिरेक्शनल मायक्रोफोन (एमकेएच–418–एस)	संख्या 2
24.	आरएफ सिमेट्रिकल कॅप्सुल (एमकेएच–50)	संख्या 2
25.	हेअर विंड स्क्रीन (एमझेडएच–20–1)	संख्या 2
26.	रॅप फॉर स्क्रीन (एमझेडएच–60–1)	संख्या 2
27.	ब्लिम्व विंड स्क्रीन	संख्या 2
28.	शॉक माऊंट (एमझेडएस–20–1)	संख्या 4
29.	ब्लिम्प विंड स्क्रीन (एमझेडडब्ल्यू –20–1)	संख्या 2
30.	विंड स्क्रिन (एमझेडडब्ल्यू –60–1)	संख्या 2
31.	प्लग ऑन ट्रान्समीटर (एसकेपी–2000)	संख्या 2
32.	अॅडॅप्टर केबल एसी–20 (418–एस)	संख्या 2
33.	होम थिएटर प्रोजेक्टर (4 के सोनी एसएक्सआरडी प्रोजेक्टर वीपीएल–वीडब्ल्यू 1000 इएस)	संख्या 1

टीवी ध्वनि विभाग

शैक्षिक गतिविधियों का आरंभ समान मोडयूल फेज से हुआ । जिसमें छात्रों को सभी विभागों के कार्य संस्कृति की सामान्य जानकारी प्राप्त हुई । समान मोडयूल फेज के बाद विशेषज्ञता फेज 1 और 2 में छात्रों को स्थल पर ध्वनि मुद्रण,ध्वनि निर्माणोत्तर, संगीत ध्वनि मुद्रण और कथा एवं गैर–कथात्मक कार्यक्रमों का सौंदर्यात्मकता की सम्पूर्ण जानकारी प्रदान किया गया । छात्रों के लिए वर्तमान व्यावसायिक कार्यपद्धति के बारे में जानकारी देने के लिए विभिन्न विषयों पर कार्यशालाएँ भी आयोजित की गयी थी । विभाग ने दो बार मूलभूत ध्वनि संकल्पना में और मीडिया निर्माण में अल्पावधि पाठ्यक्रम का तथा मल्टि कैमरा टेलीविजन स्टूडियो प्रचालन तथा निर्माण, एवं मूलभूत विडियोग्राफी अल्पावधि पाठ्यक्रम भी संचालित किये ।

मेकअप विभाग

मेकअप विभाग ने फिल्म और टीवी स्कंध के लिए विभिन्न अभ्यासों के लिए जैसे कि पदविका फिल्में, प्ले बॅक अभ्यास, द्वितीय वर्ष के डायलॉग अभ्यास,अभिनय पाठ्यक्रम के नाटकों, कैमरा,निर्देशन, कला निर्देशन, कार्यशालाओं, अन्तिम प्रोजेक्ट (आऊट और इनडोअर), गीत ध्वनि चित्रीकरण, फिल्म स्कंध मल्टी कैमरा अभ्यास आदि का संचालन किया ।

टीवी अभियांत्रिकी

टीवी अभियांत्रिकी विभाग ने संस्थान के द्वारा संचालित किए जा रहे सभी दीर्घावधि तथा अल्पावधि पाठ्यक्रम के लिए टीवी प्रोद्योगिक इनपुट प्रदान करता है । इन शैक्षिक गतिविधियों के अतिरिक्त अभियांत्रिकी विभाग, पाठ्यक्रम गतिविधियों के लिए उपकरण सुविधाओं को उपलब्ध करवाना,नये उपकरणों को प्राप्त करना और उन उपकरणों की आस्थापना तथा उन्हें संभालना/उन के रखरखाव का भी कार्य करता है ।

प्रशासन

भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान सोसायटी का गठन

सुप्रसिद्ध पटकथा लेखक और निर्देशक श्री सईद मिर्झा को दिनांक 04.03.2011 से 03.03.2014 तक की अवधि के लिए भाफिटेसं सोसायटी का अध्यक्ष और शासी परिषद के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया है ।

प्रतिनियुक्तियाँ तथा प्रतिनिधि मंडल

(I) श्री संदीप चॅटर्जी, विभागाध्यक्ष फिल्म निर्देशन,भाफिटेसं दिनांक 09.04.2013 से 14.04.2013 तक आयोजित लॉस एंजिलिस, यू.एस. फिल्म समारोह में उपस्थित रहें ।

(II) श्री इन्द्रनील भट्टाचार्य, प्राध्यापक स्क्रीन स्टडीज और रिसर्च,भाफिटेसं ने दिनांक 12.10.2013 से 20.10.2013 में 14 वाँ एडिशन एशियाटिका फिल्म समारोह, एशियाटिका, रोम में इटलियन छात्र के साथ बातचीत की और जहाँ पर भाफिटेसं के द्वारा भाफिटेसं फिल्मों के एक पॅकेज को प्रस्तुत किया गया ।

नियुक्तियाँ / सेवानिवृत्तियाँ

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान विभिन्न श्रेणियों के 14 कर्मचारी संस्थान की सेवा से सेवानिवृत्त/ मृत्यु हो गए ।

31.03.2014 को भाफिटेसं के अनु.जाति/अनु.जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्ग की संख्या सहित कुल स्टाफ की संख्या दर्शानेवाली तालिका

श्रेणी	स्वीकृत पद	कुल कार्यरत स्टाफ	कुल स्टाफ में से अनु.जाति के कर्मचारियों की संख्या	कुल स्टाफ में से अनु.जनजाति के कर्मचारियों की संख्या	कुल स्टाफ में से अन्य पिछड़े वर्ग के कर्मचारियों की संख्या
'क' वर्ग	66	32	06	02	01
'ख' वर्ग	51	34	07	02	01
'ग' वर्ग	196	97	28	10	05
कुल	**313**	**163**	**41**	**14**	**07**

बजट

सूचना और प्रसारण मंत्रालय व्दारा स्वीकृत अनुदान के माध्यम से संस्थान को पूर्णतः वित्तीय सहायता प्राप्त होती है । संस्थान को राजस्व की भी प्राप्ति होती है । मानव संसाधन विकास योजना के अन्तर्गत वर्ष 2012–2013 के लिए योजना के अन्तर्गत स्वीकृत परिव्यय ` 0.30 करोड़ था तथा गैर–योजना के अन्तर्गत स्वीकृत बजट ` 17.84 करोड़ था । वर्ष 2012–2013 के लिए योजना के लिए ` 0.30 करोड़ तथा गैर–योजना के लिए ` 17.84/- करोड़ का अन्तिमतः अनुदान प्राप्त हुआ ।

पुस्तकालय (पुस्तकें)

490 पुस्तकें के अतिरिक्त फिल्म, टेलीविजन और कला की विभिन्न पहलुओं से सम्बंधित दुर्लभ पुस्तकों सहित पुस्तकालय में कुल 29,872 पुस्तकों का संग्रह हो गया है ।

पुस्तकालय 35 भारतीय तथा 25 विदेशी पत्रिकाएँ का ग्राहक है । पुस्तकालय को 20 पत्रिकाओं की मानार्थ प्रतियाँ प्राप्त हुई । पाठकों के लिए फोटो कॉपी सुविधा उपलब्ध है । पुस्तकालय सेवा सभी छात्र,स्टाफ सदस्य, लघु पाठ्यक्रम प्रतिभागियों और संदर्भ उद्देश्य के लिए बाह्य शोधार्थियों भुगतान के आधार पर सेवा उपलब्ध करायी जाती है ।

फिल्म लायब्रेरी

भारतीय और विदेशी फीचर तथा लघु फिल्में, अभ्यास सारांशों एवं भारतीय फिल्म और टेलीवीजन संस्थान की फिल्मों सहित संस्थान की फिल्म लायब्रेरी में 3006 से भी अधिक फिल्मों का संग्रह है ।

विडियो टेप लायब्ररी

वीडियो लायब्ररी में भारतीय एवं विदेशी फीचरों की वी.एच.एस., यू–मॅटिक, डीवी कॅम और बीटा कॅम कॅसेटस् और डीवीडीज लघु फिल्में, वृत्तचित्र और छात्रों की फिल्में, छात्रों द्वारा तथा टीवी प्रशिक्षार्थियों द्वारा निर्मित टीवी कार्यक्रम, वीडियो वृत्तचित्र आदि का संग्रह है । वीडियो टेप लायब्ररी में दृक श्रव्य सामग्री भी उपलब्ध है, जैसे डिस्क, रिकार्डस, वीडियो कैसेट्स और डीवीडीज तथा सीडीज ।

ये टेप छात्रों के लिए फिल्मों की विषय वस्तु के विकास एवं निर्माण तकनीक को गहराई से समझने और सम्पादन मेज पर फिल्म के अंशों को जोड़ने के अवलोकन में काफी सहायता प्रदान करती हैं ।

कम्प्यूटरीकरण

कॅम्पस के छात्रों के लिए इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मल्टिमीडिया प्रयोगशाला का उपयोग किया जाता है । प्रत्येक विभाग को सर्वर पर सुरक्षित लॉग–इन और डाटा स्टोरेज सुविधा के साथ इ–मेल आय डी का प्रावधान किया गया है । इआरपी कार्यान्वयन का प्रथम चरण आरंभ हुआ है, अगले वित्तीय वर्ष की पहली 2 तिमाहियों में लेखा और क्रय विभाग के मोडयूल का कार्यान्वयन किया जाएगा । नेटवर्क अप–ग्रेडेशन और लेन केबलिंग की योजना बनाई गई है, लड़कों,लड़कियों का छात्रावास,नया छात्रावास और वीआईपी गेस्ट हाऊस में लेन केबलिंग के प्रथम चरण का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है ।

राजभाषा हिन्दी

संस्थान में एक अलग हिन्दी कक्ष भी है जो राजभाषा के कार्यान्वयन की देखरेख करता है। रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान हिन्दी कक्ष ने प्रशासनिक कार्यों में हिन्दी के प्रयोग के

साथ–साथ, संस्थान के फिल्म और टीवी स्कन्ध की शैक्षिक गतिविधियों में हिन्दी के प्रभावी प्रयोग को सुनिश्चित करने के लिए पर्यवेक्षण किया । इन के अतिरिक्त हिन्दी कक्ष ने विविध प्रशासनिक अधिसूचनाओं और अन्य नेमी पत्राचार का हिन्दी में अनुवाद करने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया ।

हिन्दी कक्ष ने विभिन्न विभागों / अनुभागों के साथ मिलकर 2013 में दिनांक 13 सितम्बर, से 27 सितम्बर, 2013 तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया । हिन्दी पखवाड़ा समारोह के एक भाग के रूप में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जैसे, कविता पाठ, निबंध लेखन,प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता,हिन्दी टंकण प्रतियोगिता, नोटिंग ड्राफ्टिंग प्रतियोगिता, अंताक्षरी प्रतियोगिता आदि । इसी के साथ रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान भाफिटेसं में हिन्दी कार्यशालाएँ भी संचालित की गयी । हिन्दी कक्ष ने हिन्दी की प्रगति के बारे में एक तिमाही रिपोर्ट प्रस्तुत की ।

रेडियो एफटीआयआय

भाफिटेसं की कम्यूनिटी रेडियो (रेडियो एफटीआयआय) ने यूनिसेफ के साथ मिलकर निम्नलिखित कार्यशालाएँ संचालित की :

1. लातूर, मुंबई, और चंद्रपूर की किशोरियों के लिए मूल स्तर पर एक श्रव्य विषय वस्तु पर कार्यशाला का संचालन किया ।
2. यवतमाळ और जालना जिला की लड़कियों के लिए मूल संपादन पद्धति पर कार्यशाला का संचालन किया ।
3. लातूर जिले की किशोरियों के लिए एक मिनट की वीडियो फिल्म निर्माण करना विषय पर कार्यशाला का संचालित की गयी ।
4. महाराष्ट्र के गैर–सरकारी संगठनों द्वारा संचालित कम्यूनिटी रेडियो केन्द्रों के लिए रेडियो मट्टोली, केरला में अध्ययन यात्रा–सह–कार्यशाला का आयोजन किया ।

5. महाराष्ट्र के छः जिलों के एचआईवी बाधित किशोरियों और लड़कों के लिए सीआयआरटी, पुणे में रेडियो नाटक कार्यशाला का संचालन किया ।

प्रथम राष्ट्रीय छात्र फिल्म समारोह के दौरान एक विशेष कवरेज के साथ वर्षभर लगातार नियमित रेडियो रिकार्डिंग की गयी ।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की सहायता से 'स्वच्छ भारत कार्यक्रम' का प्रसारण किया गया ।

सिमका द्वारा कम्यूनिटी रेडियो लाइसेंस प्रक्रिया पर स्किल ट्रांस्फर विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया ।

आरईएसीएच, चैन्नई द्वारा एक महीने के लिये अनुदानित क्षयरोग पर बातचीत का कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

महिला दिवस के उपलक्ष्य में प्रिव्यू थिएटर ,भाफिटेसं में एक विशेष कार्यक्रम (स्त्री सुक्त) का आयोजन किया गया ।

स्वयं मूल्यांकन अभ्यास का संचालन किया गया जो मार्च में आरम्भ किया गया ।

विज्ञान भवन, नई दिल्ली में एम.आय.बी.द्वारा आयोजित चौथे कम्यूनिटी रेडियो सम्मेलन में श्री संजय चांदेकर ,प्रभारी रेडियो एफ.टी.आय.आय. ने सहभाग लिया ।

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय शिक्षा संस्थान, नोएडा में सीईएमसीए द्वारा संचालित वेब रेडियो कार्यशाला में श्री संजय चांदेकर ,प्रभारी रेडियो एफ.टी.आय.आय. ने सहभाग लिया ।

बैठकें

रिपोर्टाधीन वर्ष की अवधि के दौरान संस्थान की विभिन्न समितियों की निम्नलिखित बैठकें आयोजित की गई :–

क्रम संख्या	बैठक का नाम	दिनांक
1.	शासी परिषद	27.06.2013 28.10.2013 30.01.2014
2.	भाफिटेसं सोसायटी	28.10.2013
3.	शैक्षिक परिषद	26.04.2013 06.09.2012 तथा 07.09.2013 17.12.2013

वित्त

I) वित्तीय वर्ष 2012–2013 के दौरान योजना और गैर योजना के अन्तर्गत संस्थान के द्वारा किया का प्रत्यक्ष व्यय निम्नानुसार है :–

क्रम संख्या	विवरण	स्वीकृत बजट अनुदान 2012–2013	संशोधित परिव्यय 2012–2013	अन्तिमतः अनुदान 2012–2013	प्रत्यक्ष व्यय 2012–2013
1.	गैर योजना	1350.00	1784.00	1784.00	*2064.32
2.	योजना – मानव संसाधन विकास योजना	30.00	30.00	30.00	** 30.00
	कुल	1380.00	1814.00	1814.00	2094.32

* प्राप्त राजस्व में से अतिरिक्त व्यय किया गया ।

** योजना के अन्तर्गत अंतिमतः अनुदान रु.30/– लाख का पूर्णतः उपयोग किया गया है ।

II) वित्तीय वर्ष 2013–2014 के लिए स्वीकृत बजट अनुदान तथा योजना और गैर योजना के अन्तर्गत दिनांक 31.03.2014 तक किया गया प्रत्यक्ष व्यय निम्ना–नुसार है :–

(रु. लाखों में)

क्रम संख्या	विवरण	स्वीकृत बजट अनुदान 2013–2014	संशोधित परिव्यय 2013–2014	अन्तिमतः अनुदान 2013–2014	प्रत्यक्ष व्यय 2013–2014
1.	गैर योजना	1872.00	1927.00	1927.00	2187.99*
2.	योजना	1500.00	1500.00	1545.00	1500.00**
2. (क)	योजना– मा.सं.वि.	55.00	45.00	45.00	45.00***
	कुल :	3427.00	3472.00	3472.00	3732.99

* प्राप्त राजस्व में से अतिरक्त व्यय किया गया ।

** योजना के अन्तर्गत अंतिमतः अनुदान रु. 1500 लाख का पूर्णतः उपयोग किया गया है ।

*** योजना मा.सं.वि. के अन्तर्गत अंतिमतः अनुदान रू. 45 लाख का पूर्णतः उपयोग किया गया ।

गत तीन वर्षों के स्वीकृत बजट अनुदान तथा प्रत्यक्ष व्यय **अनुबन्ध –I** में संलग्न हैं ।

योजनाओं, परियोजनाओं, कार्यक्रमों, निर्धारित लक्ष्यों, उपलब्धियों और त्रुटि यदि कोई हो तो, उस का विस्तृत विवरण तालिका में दर्शाया गया है, जो **अनुबन्ध –II** में संलग्न हैं ।

*****

अनुबन्ध–I

वर्ष 2013–2014 से पहले के तीन वर्षों का संशोधित परिव्यय, अन्तिम अनुदान तथा प्रत्यक्ष व्यय का विवरण दर्शानेवाली तालिका

2010–2011

विवरण	संशोधित परिव्यय	अन्तिमतः अनुदान	प्रत्यक्ष व्यय
योजना	720.00	700.00	*700.00
गैर योजना	1444.00	1444.00	**1444.00
कुल	2164.00	2144.00	2144.00

2011–2012

विवरण	संशोधित परिव्यय 2011–2012	अन्तिमतः अनुदान 2011–2012	प्रत्यक्ष व्यय 2011–2012
योजना	952.00	943.13	+943.13
गैर योजना	1450.00	1450.00	++1658.32
कुल	2402.00	2393.13	2601.45

* (2010–2011) योजना – योजना के अन्तर्गत अन्तिमतः अनुदान ` 700/– लाख का पूर्णतः उपयोग किया गया ।

** (2010–2011) गैरयोजना – गैर–योजना के अन्तर्गत अन्तिमतः अनुदान ` 1444/– लाख का पूर्णतः उपयोग किया गया ।

+ (2011–2012) योजना – योजना के अन्तर्गत अन्तिमतः अनुदान ` 943.13/– लाख का पूर्णतः उपयोग किया गया

++(2011–2012) गैरयोजना – प्राप्त राजस्व में से अतिरिक्त व्यय किया गया ।

2012–2013

विवरण	संशोधित परिव्यय	अन्तिमतः अनुदान	प्रत्यक्ष व्यय
योजना	1545.00	1545.00	1545.00
गैर योजना	1927.00	1927.00	2132.10
कुल	3472.00	3472.00	3677.10

* प्राप्त राजस्व में से अतिरिक्त व्यय किया गया ।

******

अनुबन्ध II

भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान,पुणे –411004

योजनाएं/प्रकल्प/ कार्यक्रम, निर्धारित लक्ष्य, उपलब्धियाँ और त्रुटि, यदि कोई हो तो कारणों सहित संपूर्ण जानकारी दर्शानेवाली तालिका 2013–2014

क्रम संख्या	वार्षिक योजना तथा लक्ष्यों में आपूर्ति की योजनाओं का विवरण	प्राप्तियाँ	यदि कोई त्रुटि हो तो संक्षिप्त में उसके कारणों को दर्शाते हुए
1	2	3	4
(क)	भाफिटेसं, पुणे को अनुदान		
1.	मशीनरी और उपकरण	प्रत्यक्ष लक्ष्य के अनुसार पूर्ण उपलब्धि।	किसी प्रकार की कमी नहीं है ।
2.	सीसीडब्ल्यू–सिविल/बिजली कार्य	प्रत्यक्ष लक्ष्य के अनुसार पूर्ण उपलब्धि।	किसी प्रकार की कमी नहीं है ।
3.	छात्रवृत्तियों और छात्रों आदि के लिए विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ कार्यक्रम विनिमय सहित मानव संसाधन विकास पहलू।	प्रत्यक्ष लक्ष्य के अनुसार पूर्ण उपलब्धि।	किसी प्रकार की कमी नहीं है ।

* * * * *